

Chapter-7

डाकिए की कहानी ,कँवरसिंह की जुबानी

प्रश्न 1. डाकिए का क्या नाम था?

उत्तर डाकिए का नाम कँवरसिंह था।

प्रश्न 2. डाकिया कहाँ का रहने वाला था?

उत्तर डाकिया हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव का रहने वाला था।

प्रश्न 3. कँवरसिंह के परिवार में कौनकौन सदस्य थे।

उत्तर कँवरसिंह के परिवार में चार बच्चे थे।

प्रश्न 4. डाक सेवक को क्याक्या करना पड़ता है?

उत्तर डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्ट्रीपत्र, पार्सल, बिल, बुढ़ें लोगो को पेंशन आदि बाँटने गाँवगाँव जाना पड़ता है।

प्रश्न 5. कँवरसिंह का गाँव कहाँ स्थित है?

उत्तर कँवरसिंह का गाँव नेरवा शहर के निकट हिमाचल प्रदेश में स्थित है।

प्रश्न 6. कँवरसिंह को कैसे पता चला कि उसे 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला है?

उत्तर कँवरसिंह को एक दिन एक खबरपत्र में पढ़ कर पता चला कि उसे 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला है।

प्रश्न 7. डाकिए के परिवार में कितने बच्चे थे?

उत्तर डाकिए के परिवार में चार बच्चे थे।

8. कँवरसिंह के समर्थन के लिए दूसरे डाक सेवकों की उपस्थिति किस प्रकार महत्वपूर्ण थी?

उत्तर: दूसरे डाक सेवकों की उपस्थिति ने कँवरसिंह को उनके कार्य में समर्थन और मार्गदर्शन का सामर्थ्य दिया, जिससे उन्होंने अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया।

Exercise 7.2

2 Marks Questions

प्रश्न 1. भारतीय डाक सेवा की क्या विशेषता है?

उत्तर भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सस्ती डाक सेवा है।

प्रश्न 2. पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है?

उत्तर पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को मीलों पैदल चलना, बर्फबारी में फैसने जैसी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है।

प्रश्न 3. कँवरसिंह को कौनसा पुरस्कार मिला?

उत्तर कँवरसिंह को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला।

प्रश्न 4. यह पुरस्कार उन्हें कब मिला?

उत्तर यह पुरस्कार उन्हें सन् 2004 में मिला।

प्रश्न 5. डाक सेवा की विशेषता क्या है?

उत्तर भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी और सस्ती डाक सेवा है।

प्रश्न 6. डाकिए को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार क्यों मिला?

उत्तर कँवरसिंह को उनकी ईमानदारी, मेहनत, और समर्पण के लिए 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला।

प्रश्न 7. डाकिए का गाँव कहाँ स्थित है?

उत्तर कँवरसिंह का गाँव नेरवा शहर के निकट हिमाचल प्रदेश में स्थित है।

प्रश्न 8. डाक सेवक को किस प्रकार का काम करना पड़ता है?

उत्तर डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्ट्रीपत्र, पार्सल, बिल, बुढ़ें लोगो को पेंशन आदि बाँटने गाँवगाँव जाना पड़ता है।

Exercise 7.3

4 Marks Questions

1. कँवरसिंह का गाँव विवरण करें और बताएं कि वहाँ का जीवन कैसा है?

उत्तर: कँवरसिंह का गाँव नेरवा शहर के निकट है, और वहाँ का जीवन ग्रामीण है। यहाँ के लोग सादगी और सामाजिक सांस्कृतिक परंपराओं के साथ जीते हैं।

2. डाक सेवक के रोजगार के क्षेत्र में कौनकौन सी जिम्मेदारियाँ होती हैं?

उत्तर: डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्ट्रीपत्र, पार्सल, बिल, बुद्धि लोगो को पेंशन आदि बाँटने गाँवगाँव जाना पड़ता है।

3. डाक सेवा की महत्वपूर्णता को समझाइए और इसका समाज में कैसा योगदान है?

उत्तर: डाक सेवा समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि इसके माध्यम से विभिन्न स्थानों के बीच संवाद होता है और लोगों को आवश्यक सामग्री पहुंचती है।

4. डाक सेवक को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार कैसे मिला और इसे प्राप्त करने में कौनकौन से क्षण महत्वपूर्ण थे?

उत्तर: कँवरसिंह को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार उनकी ईमानदारी, मेहनत, और समर्पण के लिए मिला। इसे प्राप्त करने में वहाँ के विभिन्न क्षण महत्वपूर्ण थे, जैसे कि वहाँ की मुश्किल स्थितियों में भी उन्होंने अपने कार्य को निरवाह किया।

5. डाक सेवा के लिए कँवरसिंह के समर्पण और प्रेरणा देने वाले क्षणों का विवरण कीजिए।

उत्तर: कँवरसिंह ने डाक सेवा के क्षेत्र में अपने समर्पण और प्रेरणादायक कार्यों से समर्थन किया, जैसे कि वहाँ की कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपना कार्य ईमानदारी से किया।

6. डाक सेवा के माध्यम से गाँवों में कैसे समर्थन पहुंचता है और इसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव क्या होता है?

उत्तर: डाक सेवा के माध्यम से गाँवों में विभिन्न सामग्री पहुंचती है, जिससे लोगों को जानकारी मिलती है और उन्हें सामाजिक और आर्थिक समर्थन मिलता है।

Exercise 7.4

Summery

"डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की जुबानी" एक दिलचस्प और प्रेरणादायक कहानी है जो एक साधू और मेहनती डाक सेवक कँवरसिंह के जीवन को दर्शाती है। यह कहानी हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से गाँव के डाक सेवक कँवरसिंह की मेहनत, समर्पण, और ईमानदारी की कहानी है।

कँवरसिंह गाँव के सभी लोगों के लिए डाक सेवा का कार्य करता है और उसकी मेहनत की सराहना हर किसी के मुह से होती है। उसकी सच्चाई, ईमानदारी और समर्पण की भावना के कारण, उसे "बेस्ट पोस्टमैन" का पुरस्कार मिलता है। इस कहानी के माध्यम से हमें यह सिखने को मिलता है कि छोटे क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है और उनकी मेहनत को समर्थन करना चाहिए।

कहानी ने हमें यह भी दिखाया है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, समर्पण, और ईमानदारी सबसे महत्वपूर्ण हैं। जब व्यक्ति अपने कार्य में समर्पित होता है और उसमें प्रेम रखता है, तो वह सफलता की सीढ़ियों को चढ़ सकता है, जैसा कि कँवरसिंह ने किया।